25 साल बाद लीनियर एक्सीलेटर मशीन देगी सटीक इलाज

जबलपुर बना रहा कैंसर के खिलाफ 'संजीवनी किला'

जबलपुर। मेडिकल साइंस में एक मशीन पूरे इलाके की तकदीर बदल दे, ऐसा कम होता है। जबलपुर में ठीक वैसा ही होने जा रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) में 25 साल से चली आ रही कोबाल्ट मशीनों की विदाई तय हो गई है। उनकी जगह अब वो तकनीक ले रही है जिसे दुनिया कैंसर के खिलाफ 'स्मार्ट हथियार' कहती है: लीनियर एक्सीलेटर मशीन। यह बदलाव सिर्फ एक मशीन का नहीं है। यह महाकौशल, विंध्य और बुंदेलखंड के 13 जिलों के उन लाखों परिवारों के लिए उम्मीद है जो अब तक इलाज के लिए ट्रेनों में रातें काटते थे। भोपाल, इंदौर, दिल्ली, मुंबई की भीड़भाड़ में बेड ढूंढते थे। अब लड़ाई घर से लड़ी जाएगी।

आखिर 25 साल क्यों लग गए?

1999 के आसपास जब देश के बड़े कैंसर सेंटर लीनियर एक्सीलेटर की तरफ शिफ्ट हो रहे थे, जबलपुर स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट कोबाल्ट-60 मशीनों पर टिका रहा। कोबाल्ट तकनीक अपने समय में क्रांतिकारी थी, पर उसकी सीमाएं साफ थीं। रेडिएशन की बीम कम सटीक होती है। ट्यूमर के साथ आसपास के स्वस्थ अंग भी चपेट में आ जाते हैं। साइड इफेक्ट ज्यादा, और रिकवरी धीमी होती है। डॉक्टर बताते हैं कि ब्रेस्ट, प्रोस्टेट, ब्रेन और हेड-नेक कैंसर जैसे मामलों में जहां मिलीमीटर का फर्क जिंदगी-मौत तय करता है, वहां कोबाल्ट अब 'आउटडेटेड' मानी जाती है। मरीजों का दर्द यही था कि जबलपुर में इलाज तो था, पर 'सबसे अच्छा' इलाज नहीं था। गंभीर केस रेफर कर दिए जाते थे। गरीब मरीज कई बार इलाज ही छोड़ देते थे क्योंकि महानगरों का खर्च और ठहरना उनके बस का नहीं था। अब जो मशीन आ रही है, वो रेडिएशन को बंदूक की गोली की तरह नहीं, बल्कि लेजर बीम की तरह टारगेट करती है।

मरीज को सीधा फायदा क्या?

मुंह में छाले, स्किन जलना, हमेशा थकान जैसी दिक्कतें 60-70प्रतिशत तक कम हो जाती हैं। कुछ कैंसर में इलाज के सेशन 30 से घटकर 5 रह जाते हैं। इसे एसबीआरटी कहते हैं। बच्चों का शरीर रेडिएशन के प्रति ज्यादा संवेदनशील होता है। सटीक बीम से उनके ग्रोथ और ब्रेन डेवलपमेंट को बचाया जा सकता है। कोबाल्ट से एक बार रेडिएशन ले चुके अंग पर दोबारा देना रिस्की था। लीनियर एक्सीलेटर से री-ट्रीटमेंट संभव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक आधुनिक कैंसर केयर का बेसिक इंफ्रा लीनियर एक्सीलेटर ही है। जबलपुर का इस लीग में शामिल होना बड़ी छलांग है।

ये कैसे काम करती है?

लीनियर एक्सीलेटर हाई-एनर्जी एक्स-रे या इलेक्ट्रॉन पैदा करता है। 3डी इमेजिंग और कंप्यूटर प्लानिंग से पहले ट्यूमर का पूरा नक्शा बनाया जाता है। फिर बीम को इतना शेप किया जाता है कि वो सिर्फ ट्यूमर के आकार की हो। ट्यूमर के चारों ओर घूमकर ये मशीन अलग-अलग एंगल से वार करती है। नतीजाः ट्यूमर पर फुल डोज, लेकिन किडनी, फेफड़े, दिल जैसे पास वाले अंगों पर नाममात्र का असर।

सिर्फ मशीन नहीं, पूरा इकोसिस्टम बदल रहा

खबर सिर्फ लीनियर एक्सीलेटर की नहीं है। इसके साथ पीपीपी मोड पर पीईटी-सीटी स्कैन भी शुरू हो रहा है। इसे समझिए। कैंसर का इलाज शुरू करने से पहले सबसे जरूरी है 'स्टेजिंग' यानी यह पता करना कि कैंसर शरीर में कितना फैला है। पीईटी-सीटी स्कैन शरीर का एक तरह का 'गूगल मैप' बना देता है। इसमें रेडियोएक्टिव शुगर का इंजेक्शन दिया जाता है। कैंसर कोशिकाएं नॉर्मल कोशिकाओं से ज्यादा शुगर खाती हैं, इसलिए स्कैन में वो चमकने लगती हैं। छाती का छोटा सा ट्यूमर हड्डी तक पहुंचा है या नहीं, यह 30 मिनट में पता चल जाता है। अभी स्थिति ये है कि पूरे संभाग में सरकारी स्तर पर ये सुविधा नहीं है। प्राइवेट में खर्च 25 से 30 हजार रुपये आता है। पीपीपी मोड में रेट तय होंगे, जिससे आम आदमी की पहुंच में आएगा। सही स्टेजिंग का मतलब है सही इलाज। कई बार बिना पीईटी के मरीज को कम या ज्यादा रेडिएशन दे दिया जाता है। वो गलती अब रुकेगी।

बंकर से लेकर ब्रेन तक तैयारी

ऐसी मशीनें लाना प्लग-एंड-प्ले नहीं होता। इसके लिए 6 फीट मोटी कंक्रीट की दीवारों वाला 'बंकर' चाहिए होता है ताकि रेडिएशन बाहर लीक न हो। एससीआई में यह हाई-टेक बंकर पिछले साल ही कंप्लीट कर लिया गया था। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना बताते हैं कि मशीन के पार्ट्स की शिपमेंट जबलपुर आ चुकी है। अब काम तीन लेवल पर चल रहा है यूरोप से आई इंजीनियरों की टीम और कंपनी के एक्सपर्ट मशीन को असेंबल कर रहे हैं। फिजिसिस्ट हर बीम एंगल को नापेंगे। 1एमएम की गलती भी मरीज पर भारी पड़ सकती है, इसलिए 2 महीने सिर्फ टेस्टिंग में लगेंगे। जबलपुर के रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, टेक्नीशियन और नर्सों को नई प्रोटोकॉल पर ट्रेन किया जा रहा है। आईएमआरटी, व्हीएमएटी, आईजीआरटी जैसी एडवांस तकनीक अब यहां रोजमर्रा का हिस्सा होंगी। मेडिकल कॉलेज का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक पहला मरीज इस मशीन पर ट्रीट हो जाए।

'मेडिकल टूरिज्म' का उल्टा फ्लो शुरू होगा

आज की तारीख में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में हर साल 8 से 10 हजार नए कैंसर मरीज रजिस्टर होते हैं। इनमें से 40 प्रतिशत को सिर्फ इसलिए नागपुर, भोपाल या मुंबई रेफर करना पड़ता है क्योंकि जबलपुर में हाई-एंड रेडिएशन नहीं था। दिल्ली में 2 महीने रुकना, कमरा किराया, खाना, आना-जाना और इलाज। ये बिल 2 से 3 लाख तक पहुंच जाता है। कई परिवार जमीन बेच देते हैं। अब यही इलाज जबलपुर में आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग मुफ्त होगा। इसका दूसरा पहलू भी है। जबलपुर अब 'रेफर आउट' सेंटर से 'रेफर इन' सेंटर बनेगा। मंडला, डिंडौरी, उमरिया जैसे आदिवासी जिले जहां से लोग पहले इलाज ही नहीं कराते थे, वहां से अब केस आएंगे। शहडोल, सतना, रीवा के प्राइवेट अस्पताल भी अपने मरीज यहां भेजेंगे। अनुमान है कि 5 साल में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की पेशेंट केपेसिटी दोगुनी हो जाएगी।

चुनौतियां अभी बाकी हैं

सिर्फ मशीन लगा देना इलाज नहीं है। एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके लिए लीनियर एक्सीलेटर चलाने के लिए क्वालिफाइड मेडिकल फिजिसिस्ट और आरटीटी टेक्नीशियन चाहिए। मध्यप्रदेश में इनकी भारी कमी है। सरकार को तुरंत पोस्ट क्रिएट करनी होंगी। ये मशीनें करोड़ों की हैं। सालाना एएमसी भी लाखों में होता है। फंड की निरंतरता जरूरी है, वरना मशीन बंद पड़ी रहती है। गांवों में अब भी लोग कैंसर को 'सजा' मानते हैं। झाड़-फूंक में वक्त बर्बाद करते हैं। जब तक स्टेज 1-2 में मरीज नहीं आएगा, सबसे अच्छी मशीन भी जादू नहीं कर सकती। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट प्रशासन का कहना है कि वो कैंसर स्क्रीनिंग वैन चलाकर गांव-गांव कैंप लगाएंगे। मुंह, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती जांच वहीं हो जाएगी।

एक शहर की नई पहचान

जबलपुर को अब तक 'संस्कारधानी' और 'आर्मी बेस' के लिए जाना जाता था। अगले साल से इसकी एक नई पहचान सेंट्रल इंडिया का कैंसर केयर हब के रुप में होगी। 25 साल का गैप सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं था। वो हजारों परिवारों की उम्मीद और हिम्मत का गैप था। एक मां जो अपने बच्चे को लेकर एम्स की लाइन में लगती थी। एक किसान जो कर्ज लेकर मुंबई जाता था। एक बुजुर्ग जो दर्द में कहता था 'अब जितने दिन कट जाए'। लीनियर एक्सीलेटर की बीम जब पहली बार किसी मरीज के ट्यूमर पर पड़ेगी, तो वो सिर्फ रेडिएशन नहीं होगा। वो 25 साल से रुकी हुई उम्मीदों का रिलीज होगा।

अपराध समीक्षा कर लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

पुलिस कप्तान पहुंचे बेलबाग थाना, किया वार्षिक निरीक्षण

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने मंगलवार को थाना बेलबाग का वार्षिक निरीक्षण कर थाना व्यवस्थाओं, अपराध नियंत्रण और लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीएसपी ओमती सोनू कुर्मी एवं टीआई जितेन्द्र पाटकर उपस्थित रहे। कप्तान उपाध्याय ने थाने के हवालात, मालखाना, जप्ती माल, आर्म्स-एम्यूनेशन तथा राइट ड्रिल सामग्री का निरीक्षण कर उनके रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था को परखा। उन्होंने थाने में संधारित विभिन्न रजिस्टरों एवं शिकायत रजिस्टर की जांच करते हुए रिकॉर्ड को नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साइबर हेल्प डेस्क का भी जायजा लिया गया। एसपी ने साइबर फ्रॉड, सोशल मीडिया ठगी, मोबाइल गुमने सहित साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का समय सीमा में निराकरण पुलिस की प्राथमिकता होना चाहिए। कप्तान उपाध्याय ने थाना बेलबाग में दर्ज अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निकाल पर जोर दिया। उन्होंने विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखते हुए अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई से प्राप्त शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अनुशासन एवं अभिलेख संधारण व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। कप्तान के निरीक्षण से थाना स्टाफ में सक्रियता दिखाई दी तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक कल

जबलपुर। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक गुरूवार 4 जून को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा होगी तथा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत बनाई जा रही और स्वीकृत सड़कों पर चर्चा होगी।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई

जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 128 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 24 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन अतिक्रमण, नामांतरण, खंटवारा, सीमांकन, रिकार्ड सुधार, अवैध कब्जा, छात्रवृत्ति, स्कूल में प्रवेश, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पीएम आवास, लड़ाई-झगड़ा, आर्थिक सहायता, भूमि डायवर्सन, पेयजल, बारिश के पानी के निकासी व्यवस्था तथा लड़ाई-झगड़ा आदि से संबंधित आवेदन थे।

यूपी का हवाला देकर उपभोक्ता मंच ने अपील भेजी

मप्र नियामक आयोग भी फ्यूल सरचार्ज पर रोक लगाए

जबलपुर। उत्तरप्रदेश बिजली आयोग ने गत 1 जून को बढ़े हुए फ्यूल सरचार्ज की वसूली पर रोक लगाकर उत्तर प्रदेश बिजली कंपनी से जवाब तलब किया है। इसी तर्ज पर म.प्र. बिजली आयोग भी अपने प्रावधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए मई-जून के फ्यूल सरचार्ज के वसूली पर रोक लगाये। यह अपील नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने म.प्र. विद्युत नियामक आयोग के सचिव को ई-मेल से भेजी है। अपील की प्रतिलिपि सचिव, ऊर्जा मंत्रालय म.प्र. को भेजी। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया की फ्यूल सरचार्ज मार्च में जीरो प्रतिशत था, उसे बढ़ाकर अप्रेल में 5.36 प्रतिशत तथा मई-जून में 3.91 प्रतिशत करा दिया गया है। इस भारी वृद्धि के साथ ही बिजली के रेट में भी 4.8 प्रतिशत में वृद्धि की गई है। यह बढ़े हुए रेट 1 अप्रेल से लागू हो गये है। अब नतीजा यह हुआ है की बिजली उपभोक्ताओं से प्रतिमाह भारी वसूली हो रही है। आर्थिक बोझ के कारण गरीब तथा मध्यम वर्गीय तबका भारी चिंता में पड़ा है।

प्रदेश सरकार कदम उठाये

विद्युत अधिनियम की धारा 108 के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने आयोग को निर्देश जारी किये है, लेकिन दुःख है कि म.प्र. सरकार ने अभी तक चुप्पी साधी है। मंच के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, डी. आर. लखेरा ने प्रदेश सरकार से अपील की की वह उत्तर प्रदेश सरकार के तर्ज पर कार्य करे।

प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

हिरन नदी से रेत का अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर दो जेसीबी, एक हाइवा और ट्रैक्टर ट्राली जब्त

जबलपुर। खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्ती से रोक लगाने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार मंगलवार को सिहोरा अनुभाग के अंतर्गत पोंडा तहसील के ग्राम खिन्नी में खनिज, राजस्व और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही कर हिरन नदी से रेत के अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर दो जेसीबी, एक दस चक्का हाइवा और एक ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया है। वहीं मौके से दोनों जेसीबी मशीनों के ऑपरेटरों (चालकों) को भी पकडा लिया गया है।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा श्रीमती ज्योति परस्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसीलदार ललित ग्वालवंशी और खनिज निरीक्षक शिवपाल चौधरी ने हिरन नदी से रेत के अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर पोंडा तहसील के ग्राम खिन्नी में औचक कार्यवाही कर मौके से दो जेसीबी मशीन, रेत से आधा भरा हुआ एक दस चक्का हाइवा और रेत से भरी हुई एक ट्रैक्टर-ट्राली को जप्त किया गया। रेत के अवैध उत्खनन में प्रयुक्त इन वाहनों को गोसलपुर थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया।

कार्यवाही के दौरान रेत का अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर दोनों जेसीबी के ऑपरेटर मोहम्मद रहमान उर्फ मोहम्मद रियाज मंसूरी तथा मोहित बर्मन पिता रंजीत बर्मन को पकड़ कर गोसलपुर थाने में पूछताछ की जा रही है।

तहसीलदार पोंडा ललित ग्वालवंशी के मुताबिक पूछताछ के दौरान एक जेसीबी के आपरेटर मोहम्मद रियाज मंसूरी पुलिस को बताया कि खिन्नी में हिरन नदी से रेत का अवैध उत्खनन चन्नोटा निवासी बलराम ऊर्फ गोलू सिंह द्वारा कराया जाता है। वहीं जेसीबी ऑपरेटरों ने एक जेसीबी मशीन अरुण प्रताप भदौरिया ऊर्फ सोनू भदौरिया निवासी चन्नोटा तथा दूसरी जेसीबी पनागर के शुभम पटेल की होना बताई है। कार्यवाही में जप्त दस चका हाइवा के मालिक का पता लगाया जा रहा है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा ने बताया कि रेत के अवैध उत्खनन के इस प्रकरण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है तथा वैधानिक कार्यवाही के लिये खनिज विभाग के माध्यम से कलेक्टर न्यायालय को प्रेषित किया जाएगा।

निर्माण स्थल का निरीक्षण करने पहुंची संयुक्त टीम

एम्पायर तिराहा से पेंटीनाका तक फ्लाई ओवर बनेगा

जबलपुर। एम्पायर तिराहा से पेंटीनाका फ्लाई ओवर निर्माण का स्थल निरीक्षण करने के लिए मंगलवार को मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआरडीसी), कैंट बोर्ड का इंजिनियरिंग विभाग व रक्षा संपदा विभाग के संयुक्त अधिकारी दल ने स्थल निरीक्षण किया। संयुक्त टीम ने पूरे निर्माण स्थल का बारिकी से निरीक्षण किया एवं निर्माण के दौरान यातायात को सुचारू बनाए रखने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। टीम के निरीक्षण के दौरान सैन्य अधिकारियों के नहीं पहुंच पाने के चलते अगले तय दिन में संभवतः पुनः स्थल निरीक्षण किया जाएगा।

ऐसा है बनने का प्लान

गौरतलब है कि पूर्व में यह फ्लाईओवर एम्पायर तिराहे से वायएमसीए चौक तक बनाया जाना था, लेकिन अब राज्य शासन ने इसकी लंबाई को बढ़ा दिया है। अब उक्त फ्लाई ओवर का निर्माण गोराबाजार तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है । अब सड़क के जिस हिस्से में यह फ्लाई ओवर बनना है, उसमें रक्षा मंत्रालय की सहमति भी जरूरी है। मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन ने फ्लाई ओवर के नए प्रस्ताव को रक्षा मंत्रालय को दिया था, जिसके बाद मंगलवार को एक ज्वाइंट विजिट तय की गई थी।

बढ़ गई है लागत

पूर्व में तय लंबाई की लागत 44 ,करोड़ तय हुई थी लेकिन अब डेढ़ किलोमीटर ज्यादा गोराबाजार तक बढ़ाये जाने से फ्लाई ओवर की लागत 70 करोड़ हो गई है।

यह होगा निर्माण

निर्मित होने वाले पहुंच मार्ग की लंबाई 283 मीटर होगी। जहां यह रैंप उतरेगा उसकी सर्विस रोड की चौड़ाई 24 फीट रखी गई है। सेतु बंधन योजना के तहत स्वीकृत किया गया यह फ्लाई ओवर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने स्वीकृत किया है। हाल ही में इसकी लंबाई बढ़ाने का प्रस्ताव को सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपनी सहमति दी है।

किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध कराने हेतु मझौली के आदान विक्रेताओं का निरीक्षण

जबलपुर। खरीफ सीजन में कृषकों को उत्तम गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि अधिकारियों ने मंगलवार को मझौली के विभिन्न आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती मनीषा पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर एवं कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री रिचा सिंह शामिल थे। निरीक्षण के दौरान शुभम कृषि केंद्र, प्रियांशी कृषि केंद्र, शिवशक्ति कृषि केंद्र एवं ओम कृषि केंद्र में संधारित अभिलेखों, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय अभिलेखों एवं लाइसेंस संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण में स्टॉक रजिस्टर एवं आवश्यक अभिलेख संधारित पाए गए तथा लाइसेंस में संबंधित कंपनियों के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट संलग्न पाए गए। कृषि अधिकारियों ने विक्रेताओं को निर्देशित किया कि संबंधित कंपनियों के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट लाइसेंस में संलग्न होने के बाद ही बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का विक्रय करें। साथ ही प्रत्येक कृषक को आदान सामग्री विक्रय करते समय निर्धारित प्रारूप में पक्का बिल अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाए।

जीएसटी की राजश्री कारोबार में बड़ी दबिश

महाकौशल के कारोबारी नेटवर्क पर जांच तेज, सरोगेट फर्मों और टैक्स गड़बड़ियों की पड़ताल

हरिभूमि, जबलपुर।

महाकौशल क्षेत्र में जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई से व्यापारिक जगत में हड़कंप मच गया है। विभागीय टीम द्वारा शहर से जुड़े कुछ कारोबारी प्रतिष्ठानों और कथित नेटवर्क की जांच किए जाने की खबर सामने आने के बाद कारोबारियों के बीच चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। कार्रवाई का केंद्र टैक्स भुगतान, फर्जी बिलिंग, वित्तीय लेन-देन और सरोगेट फर्मों के संचालन को माना जा रहा है।

जीएसटी सूत्रों के अनुसार जांच के दायरे में लॉर्डगंज क्षेत्र स्थित सुपर सुपारी से जुड़े कारोबारी नेटवर्क, नावेरिया कछियाना क्षेत्र की एसए एजेंसी तथा राजश्री गुटका कारोबार से जुड़े कुछ नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। चर्चा है कि कारोबारी संबंधों और फर्मों के संचालन के तरीके को लेकर जीएसटी विभाग को शिकायतें और गोपनीय सूचनाएं प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की गई।

रिटर्न, विवरण, वित्तीय लेन-देन की पड़ताल

बताया जा रहा है कि अधिकारियों द्वारा जीएसटी रिटर्न, खातों का विवरण, बिलिंग रिकॉर्ड और फर्मों के बीच वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों का दावा है कि कुछ कारोबारियों पर सरोगेट फर्मों के माध्यम से व्यापार संचालन और टैक्स नियमों के उल्लंघन के आरोपों की जांच की जा रही है। कारोबारी गलियारों में यह चर्चा भी है कि कुछ फर्मों के संचालन में परोक्ष रूप से अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

जैन बंधुओं की भूमिका संदिग्ध-

सूत्रों के मुताबिक सुपर सुपारी प्रोपराइटर शीलचंद्र जैन, एसए एजेंसी से जुड़े विपुल जैन, अनंत जैन तथा राजश्री गुटका कारोबार से जुड़े कारोबारी नेटवर्क के संबंधों को भी खंगाला जा रहा है। यह भी चर्चा है कि कथित तौर पर कुछ कारोबार सरोगेट फर्मों के माध्यम से संचालित किए जाने की आशंका पर विभाग विशेष फोकस कर रहा है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जांच जारी, होगी कार्रवाई

जीएसटी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल दस्तावेजों का सत्यापन और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। यदि कर चोरी, फर्जी बिलिंग या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस कार्रवाई ने महाकौशल के व्यापारिक जगत में हलचल बढ़ा दी है और सभी की नजर अब विभाग की आधिकारिक रिपोर्ट पर टिकी हुई है।

पोड़ी में आज उर्स का आयोजन

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम पोड़ी में पोंडा पिपरिया वाले बाबा का 31 वां उर्स का आयोजन आज बुधवार को रात्रि 9 बजे से किया जा रहा है। जिसमें कब्बाल गुलफान हबीब पेटंर अलीगढ़ कानपुर एंव सिमरन सूफी कोटा राजस्थान अपनी कब्बाली प्रस्तुत करेंगी।उर्स कमेटी के अध्यक्ष डॉ इरशाद मंसूरी,संचालक मोहम्मद इकबाल पंजी,उपाध्यक्ष नूर मोहम्मद मदारी,अयूब पेंटर, सरपंच पोड़ी शारदा बर्मन,नजीम मंसूरी,महबूब खान,मंसूर मंसूरी,शेख निजाम आदि ने उर्स में पहुंचने की अपील की है।

शासकीय भूमियों पर बढ़ रहे अवैध कब्जे, कार्रवाई की मांग

बरेला। नगर के वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 सहित बम-बमपुरा, श्मशान घाट और आईएचएसडीपी कॉलोनी क्षेत्र की शासकीय एवं सुरक्षित भूमियों पर लगातार अवैध कब्जों के मामले सामने आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि भू-माफिया शासकीय भूमि पर कब्जा कर कच्चे-पक्के निर्माण कर रहे हैं तथा बाद में इन्हें बेचकर आर्थिक लाभ कमा रहे हैं।नागरिकों का कहना है कि इस संबंध में कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को मौखिक एवं लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि नगर परिषद, राजस्व विभाग और जनप्रतिनिधियों को इन कब्जों की जानकारी होने के बावजूद अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मामले को लेकर नगर का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से मुलाकात कर शासकीय भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराने एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेगा।

बातचीत पर बहस होने पर प्लम्बर को चाकू मारा

जबलपुर। गढ़ा थाना अतंर्गत मेडिकल में चाय पीते समय बातचीत के दौरान बहस होने पर दो बदमाश ने एक युवक के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धनगर संजय गांधी गढ़ा निवासी 19 वर्षीय प्लम्बर नील रजक देर रात मेडिकल में चाय पीने गया था उसी दौरान राज चक्रवर्ती से बातचीत के दौरान बहस हो गयी थी। जिसके बाद वह अपने घर वापस आ रहा था राज चक्रवर्ती ने उसे फोन करके छोटे जैन मंदिर के पास रूकने के लिये कहा, तो वह रूक गया देर रात लगभग 1.25 बजे राज चक्रवर्ती एवं सुम्मी आए और उससे विवाद करते हुए राज ने मारपीट कर दी तथा सुम्मी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। प

जन सुनवाई : एसपी ने सुनीं 75 शिकायतें, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जबलपुर। आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय जबलपुर में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। जन सुनवाई में कुल 75 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश मामले पति पत्नी विवाद, पारिवारिक झगड़े, जमीन संबंधी विवाद, मारपीट तथा साइबर अपराध से जुड़े थे। पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायतकर्ताओं को शीघ्र वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों और राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समय सीमा में त्वरित निराकरण किया जाए। इस जन सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात सुश्री अंजना तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक बरगी अंजुल अयंक मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती आकांक्षा उपाध्याय भी उपस्थित रहे। एसपी श्री उपाध्याय के निर्देश पर जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों ने अपने कार्यालयों, शहर व देहात के थानों एवं चौकियों में भी जन सुनवाई कर शिकायतें सुनीं।

पंचवटी नौका विहार में पर्यटकों के लिए साइन बोर्ड की कमी बनी परेशानी

भेड़ाघाट। पंचवटी घाट में नौका विहार के लिए प्रवेश गेट मौजूद है, लेकिन पर्यटक अक्सर रास्ता पूछते रहते हैं, क्योंकि मार्गदर्शक साइन बोर्ड अभी तक नहीं लगाया गया है। बताया गया है कि पहले साइन बोर्ड लगा था, लेकिन 30 अप्रैल को तेज आंधी में गिर गया और नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा इसे अब तक दोबारा लगाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। कई दुकानदारों ने कहा कि वे पर्यटकों को दिशा बताते हैं, फिर भी कई लोग इधर-उधर भटकते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नौका विहार पंचवटी घाट के पर्यटन अनुभव का अहम हिस्सा है और मार्गदर्शक बोर्ड की कमी से पर्यटकों को असुविधा होती है। नगर परिषद और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना आवश्यक है, तभी भेड़ाघाट को एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। वर्तमान में धरातल पर भले ही विकास के दावे बड़े हों, लेकिन एक सरल साइन बोर्ड तक न लगना इस विकास में अनदेखी को उजागर करता है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की हो : जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी

सिहोरा। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने सिहोरा विकासखंड के पीएम श्री विद्यालयों—शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगवां एवं शासकीय हाई स्कूल भंडरा—में चल रहे निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अतिरिक्त कक्षों, अटल टिंकरिंग लैब एवं अन्य निर्माणाधीन अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान श्री सोनी ने निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की अधोसंरचना विद्यार्थियों के भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से सीधे जुड़ी है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने पीएम श्री योजना को विद्यालयों के आधुनिकीकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए सभी अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों से पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान एडीपीसी गौतम बर्बे, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद धुर्वे, बीआरसीसी विनोद श्रीवास्तव सहित विद्यालयों के प्राचार्य एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश हायर सेकेंडरी स्कूलों में चौकीदार नियुक्ति की मांग

बरेला। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश के समस्त हायर सेकेंडरी स्कूलों में रात्रि कालीन सुरक्षा हेतु चौकीदार नियुक्त करने की मांग की है। संघ के तहसील अध्यक्ष रजनीश कुमार पाण्डेय, शहजाद सिंह द्विवेदी, दालचंद पासी, रामदास बरकडे, शुभसंदेश सिंगौर, निर्मल लोधी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि शातिर चोर लगातार स्कूलों में चोरी कर रहे हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। संघ ने जोर देते हुए कहा कि स्कूलों में कंप्यूटर, संगीत व अन्य शैक्षिक सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौकीदार नियुक्त करना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों को निर्बाध शिक्षा मिलती रहे और शासन की उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं को नुकसान न पहुंचे।

जबलपुर के छात्रों ने एसओएफ इंटरनेशनल ओलंपियाड 2025–26 में किया शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए जबलपुर के छात्रों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षाओं 2025–26 में बेहतरीन सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें जबलपुर के 20 हजार से अधिक छात्र शामिल थे। प्रमुख प्रदर्शन करने वाले छात्रों में दिल्ली पब्लिक स्कूल, जबलपुर के कक्षा 1 के छात्र जैविन बेन ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड (आईईओ) में, स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 1 के छात्र अथर्व विश्वकर्मा ने इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड (आईएमओ) में तथा सेंट गैब्रियल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 5 की छात्रा नैनिका सिंह ने इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड (आईजीकेओ) में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त की। सभी छात्रों को गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, "एसओएफ ओलंपियाड 2025–26 विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। छात्रों का विभिन्न ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन उनकी मेहनत, लगन और स्कूलों द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव को दर्शाता है। हम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हैं।" साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) एक शैक्षणिक संस्था है, जो स्कूल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने का कार्य करती है। एसओएफ द्वारा इंटरनेशनल कंप्यूटर सइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएं छात्रों को अपनी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषण क्षमता और समस्या समाधान कौशल को वैश्विक स्तर पर परखने का अवसर प्रदान करती हैं।

पुरानी रंजिश पर चाकू से प्राणघातक हमला कर भागे बदमाश

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत मक्रवाहिनी मंदिर खोवा मंडी के पास पुरानी रंजिश पर दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार विजयकटपीस के पीछे कोतवाली निवासी 25 वर्षीय चाट फुल्की ठेला संचालक ऋषभ विश्वकर्मा गत रात लगभग 10 बजे अपने घर से मक्रवाहिनी मंदिर खोवा मंडी के पास से गुटखा लेकर घर तरफ जा रहा था तभी राहुल विश्वकर्मा एवं राहुल सोनी मिले और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगे। राहुल सोनी ने उसके दोनों हाथ पकड़े और राहुल विश्वकर्मा ने जान से मारने की नियत से उस पर चाकू से हमलाकर कर घायल कर दिया। आवाज सुनकर ऋषभ का बड़ा भाई रोहित एवं अभि बर्मन को आते देख दोनों जान से मारने की धमकी देकर भाग भाग गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घमापुर पुलिस का जुए के फड़ पर छापा

जबलपुर। घमापुर पुलिस ने ओमकला मंदिर के पीछे चल रहे जुए के फड़ पर छापा मारकर 7 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 16 हजार 100 रुपए जब्त किए है। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस मुखबिर की सूचना पर ओमकला मंदिर के पीछे जुआ मन्ना खेल रहे गुलाब रजक, सतीश स्वामी, संतोष सिंह ठाकुर, करण यादव, हरीश रैकवार, मिठ्ठू यादव, उमेश सराटकर को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते 16 हजार 100 रूपये जप्त करते हुये सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

रंगदारी वसूलने की गई वारदातों में 2 घायल

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर चाकू व लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती झंडा चौक निवासी 36 वर्षीय प्लम्बर पंकज वर्मा गत रात लगभग 9.15 बजे खाना खाने के बाद रोड पर टहल रहा था उसी समय कुक्कू उर्फ तरुण आया और उससे शराब पीने के लिए 1 हजार रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गालीगलौज करते हुये चाकू से हमला कर माथे में चोटें पहुंचा दी। इसी तरह रांझी गोकलपुर निवासी 36 वर्षीय अनिल रैकवार गत रात 10.15 बजे गली नंबर 2 पानी की टंकी के पास गोकलपुर में खड़ा था तभी अक्कू यादव एवं किशन यादव आए और शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर दोनों गालीगलौज करने लगे, किशन ने उसे पकड लिया तथा अक्कू लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस ने तीनों बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गारंटी पीरियड में जर्जर हुई सड़क ग्रामीणों ने जांच की मांग उठाई

बरेला। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पहाड़ीखेड़ा से डूंगा मेहगांव तक निर्मित लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क गारंटी अवधि में ही बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा नियमित रखरखाव नहीं किए जाने के कारण सड़क पर जगह-जगह बड़ी दरारें और गड्ढे बन गए हैं तथा डामर भी उखड़ चुका है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क के दोनों ओर नियमानुसार सोल्डर पट्टी का निर्माण नहीं किया गया, जिससे बरसात में सड़क को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। वहीं कुल्हाड़ी से मेहगांव मोड़ तक सड़क किनारे उगी झाड़ियों की भी लंबे समय से सफाई नहीं कराई गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेंटेनेंस कार्य केवल कागजों और सूचना बोर्डों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के वरिष्ठ अधिकारियों से मार्ग का औचक निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

श्री एएस नाथन- एपीआर कॉलोनी 1 बिलहरी निवासी श्री एएस नाथन (75) का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज दोपहर 1 बजे बिलहरी कब्रिस्तान की ओर रवाना होगी।

श्री राजिन्दर सिंह- मदनमहल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री राजिन्दर सिंह (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ

श्री वाधूमल जेठनानी- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री वाधूमल जेठनानी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती भगवती बाई पटेल- पोलीपाथर गौरीघाट रोड निवासी श्री रज्जू पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती भगवती बाई पटेल (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विश्वनाथ रिछारिया- उपरैनगंज छोटा फुहारा के निकट निवासी श्री विश्वनाथ रिछारिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांति शिवहरे- आनंद नगर बस स्टाप के पास अधारताल निवासी श्री केके शिवहरे की धर्मपत्नी श्रीमती शांति शिवहरे (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक भूरा- गोल बाजार निवासी श्री अशोक भूरा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गंगी बाई- नई बस्ती कांचघर स्टेशन रोड निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती गंगी बाई (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भानु प्रताप जैन- नेपियर टाउन निवासी श्री भानु प्रताप जैन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार

रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रामसनेही मिश्रा- कटरा अधारताल निवासी श्री रामसनेही मिश्रा (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संध्या बाई राजपूत- शीतलामाई वार्ड निवासी श्री लखन लाल राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती संध्या बाई राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राकेश अहिरवार- नई बस्ती गौरीघाट निवासी श्री रेवा प्रसाद अहिरवार के पुत्र श्री राकेश अहिरवार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक रायबोले- लालमाटी चांदमारी दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री अशोक रायबोले (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार चौधरी- संजय नगर पोलीपाथर निवासी श्री राजकुमार चौधरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला दुर्याम- रामनगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री अशोक दुर्याम की धर्मपत्नी श्रीमती लीला दुर्याम का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अशोक शर्मा- लालमाटी छोटी संतोषी माता के निकट निवासी श्री अशोक शर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नेमीचंद घसिया- ठक्कर ग्राम घसिया कॉलोनी निवासी श्री नेमीचंद घसिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 1x3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

कॉकटेल-2 का ट्रेलर रिलीज कृति-रश्मिका के बीच फंसे शाहिद

मुंबई। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की मच अवेटेड रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'कॉकटेल 2' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया। 3 मिनट 1 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की कार ट्रिप से होती है। शुरुआत में शाहिद कहते हैं, 'जब भी कोई रिश्ता नया होता है, तो वह रोमांचक होता है, क्योंकि वह नया होता है। नए दोस्त मज़ेदार होते हैं क्योंकि उनकी कहानियां हमें दिलचस्प लगती हैं। पुराने दोस्तों से वही पुरानी कहानियां सुनते-सुनते हम थक जाते हैं। लेकिन, प्यार उस फटी हुई टी-शर्ट की तरह है जिसमें हमें दो रातों तक चैन की नींद आती है।

लाइफ Style

तृप्ति
कॉन्फिडेंस ही बन जाता है आपका दुश्मन

एनिमल में रणबीर कपूर के साथ तृप्ति डिमरी की जोड़ी लोगों को खूब पसंद आई थी, लेकिन यह भी आरोप लगे कि तृप्ति उस फिल्म की सक्सेस के बाद काफी बदल गईं। तृप्ति डिमरी ने कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और ऐसे लोगों का साथ होना जरूरी है जो आपकी गलतियां बता सकें और सही रास्ता दिखा सकें।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एनिमल फेम एक्ट्रेस ने कहा कि अपनी बुराई सुनना आसान नहीं होता है। हालांकि यही वह चीज है जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करती है। जब उनका परिवार और दोस्त उन्हें बताते हैं कि वह कहां गलती कर रही हैं, तो वह रुककर उनकी प्रतिक्रियाओं पर चिंतन करती हैं। तृप्ति ने माना कि कभी-कभी आपका कॉन्फिडेंस ही आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है। साल 2023 में आई रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल ब्लॉकबस्टर हिट रही थी। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तृप्ति डिमरी ने अहम किरदार निभाया था। तृप्ति यूं तो उससे पहले बुलबुल, लैला मजनू और पोस्टर बॉयज जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी थीं, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें वो पहचान दिलाई, जिसकी उन्हें इंडस्ट्री में चमकने के लिए जरूरत थी। तृप्ति के कॅरियर का ग्राफ रॉकेट की रफ्तार से ऊपर गया और उन्हें धड़क-2, भूल भुलैया-3 और स्पिरिट जैसी बड़ी फिल्मों में फीमेल लीड रोल मिलने लगे, लेकिन साथ ही साथ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि एनिमल के बाद तृप्ति काफी बदल गई हैं। एक हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुद इस सवाल का जवाब दिया।

हॉलीवुड मसाला

भारत में ताबड़तोड़ कर रही कमाई

नई दिल्ली। करी बार्कर की फिल्म 'ऑब्सेशन' भारत में बीते शुक्रवार को रिलीज हुई। महज चार दिनों में ही इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर ली है। आने वाले दिनों में फिल्म को वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी का फायदा मिल सकता है। हॉलीवुड की हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' भारतीय दर्शको को भी खूब पसंद आ रही है। कम बजट की यह फिल्म दर्शकों को डराने में अब तक कामयाब रही है। फिल्म ऑब्सेशन को दुनियाभर में काफी पसंद किया जा रहा है। शुक्रवार को फिल्म को मिली धीमी शुरुआत के बाद इसने वीकेंड पर अपनी रफ्तार पकड़ी।

सुरक्षा कारणों से रद्द हुआ कान्ये और ट्रैविस का शो

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट और ट्रैविस स्कॉट का एक कॉन्सर्ट इटली में होना था, जो कि अब रद्द कर दिया गया है। इस बात से रैपर के फैंस बेहद निराश हैं। यह फैसला किन्हीं सुरक्षा कारणों से लिया गया है। यह कॉन्सर्ट जुलाई में इटली के उत्तरी शहर रेजियो एमिलिया के आईसीएफ एरिना में होने वाले था। ट्रैविस स्कॉट का शो 17 जुलाई को और कान्ये वेस्ट का शो 18 जुलाई को होना था। ट्रैविस स्कॉट के कॉन्सर्ट को सुरक्षा व्यवस्था की चिंताओं के कारण रद्द किया गया है, न कि उन पर किसी प्रतिबंध की वजह से। स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से इन्हें रद्द करने का आदेश दिया। दरअसल, कान्ये वेस्ट द्वारा अप्रैल में की गई यहूदी-विरोधी टिप्पणियों का कड़ा विरोध हो रहा था। शहर के यहूदी समुदाय, फासीवाद-विरोधी समूहों, ट्रेड यूनियनों और नेताओं ने इस कॉन्सर्ट को रोकने की मांग की थी।

अल्फा की रिलीज डेट बदली...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। आलिया अल्फा और लव एंड वॉर में नजर आएंगी। अल्फा की रिलीज से पहले निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज डेट जारी की है। आलिया भट्ट और शार्वरी वाघ की मुख्य भूमिका वाली एक्शन फिल्म अल्फा अब अपने तय समय से एक हफ्ता पहले यानी 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 10 जुलाई को आने वाली थी। फैंस आलिया को एक्शन अवतार में देखने के लिए बेताब हैं। इस फिल्म से पहले आलिया ने फिल्म जिगरा में एक्शन किया था। फिल्म धमाल 4 की रिलीज डेट 17 जुलाई तय होने के बाद, अल्फा के निर्माता आदित्य चोपड़ा ने यह फैसला लिया है। 3 जुलाई के आसपास कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।

अनिल ने पत्नी संग यूरोप में मनाईं छुट्टियां

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर हाल ही में अपनी पत्नी सुनीता कपूर के साथ यूरोप की यात्रा पर गए थे। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इस जादुई वेकेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अनिल ने इस जगह को मैजिकल बताया है। 69 साल के अनिल ने इंस्टाग्राम पर आज मोंटेनेग्रो देश की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। उन्होंने इस जगह को बहुत ही जादुई और खूबसूरत बताया। तस्वीरों में अनिल काले रंग के कपड़ों और स्टाइलिश चश्मे में बेहद हैंडसम दिख रहे हैं। अनिल की दोस्त और बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा कि यह उनकी भी पसंदीदा जगह है। इसके साथ ही शिल्पा ने लिखा कि अनिल बहुत शानदार लग रहे हैं। शिल्पा के अलावा अनिल के कई फैंस ने इस पोस्ट पर लाल दिल वाला और फायर इमोजी बनाया है।

टीवी मसाला

'तारक मेहता' में जमील जमाली की एंट्री से भागने लगे लोग...

नई दिल्ली। 'धुरंधर' और जमील जमाली की लोकप्रियता अब गोकुलधाम सोसाइटी तक पहुंच गई है। शो में एक मजेदार मोड़ आएगा जब लोग यह देखकर हैरान रह जाएंगे कि जमील जमाली बिल्कुल तारक मेहता के बॉस बाबूलाल जैसे दिखते हैं। यह अजीब समानता भ्रम पैदा कर रही है और कई मजेदार पलों को जन्म देती है। इससे पहले कि कोई सच और झूठ में फर्क कर पाए, अफवाहें फैलने लगती हैं, तरह-तरह के कयास लगने लगते हैं और बेचारे बाबूलाल खुद को एक ऐसे तूफान में पाते हैं जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। ये किरदार राकेश बेदी निभा रहे हैं और जो 2020 से तारक के बॉस बने हुए हैं। एक मामूली भ्रम से शुरू हुई बात जल्दी ही एक बड़े तमाशे में बदल जाती है। जैसे-जैसे हर कोई स्थिति को समझने की कोशिश करता है, भ्रम और बढ़ता जाता है। बाबूलाल इस स्थिति में फंस जाते हैं और एक के बाद एक समस्याओं का सामना करते हैं। हालांकि, तारक अपने बॉस को अकेला नहीं छोड़ते और मुश्किल को संभालने की पूरी कोशिश करते हैं। वह स्थिति को पूरी तरह से हाथ से निकलने से पहले हर संभव प्रयास करते हैं। 'धुरंधर' के क्रेज के चलते बाबूलाल को जमील जमाली समझ लिया जाता है। लोग टीवी के किरदार को असली इंसान समझ बैठते हैं। एक छोटी सी गलतफहमी से और भी उलझनें पैदा हो जाती हैं। इससे हंसी-मजाक और मनोरंजन का माहौल बनता है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक बार फिर यही कमाल कर रहा है। यह फेमस सिटकॉम रोजमर्रा की साधारण घटनाओं को एक मजेदार और मनोरंजक कहानी में बदल देता है।

प्रोड्यूसर पर लगाए थे यौन शोषण के झूठे आरोप

नई दिल्ली। टीवी का मशहूर सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' आपने कभी ना कभी तो जरूर देखा होगा। टीवी के इस शो को लोगों ने खूब पसंद किया।

कुछ साल पहले इस शो से जुड़ा एक बड़ा विवाद भी सामने आया था। जिसमें इस शो की लीड एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने शो के प्रोड्यूसर पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में शिल्पा ने बताया कि शो छोड़ने के दौरान उन्होंने प्रोड्यूसर पर भी सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था वह बिल्कुल झूठ था। इसके अलावा शिल्पा ने इंटरव्यू के दौरान और भी कई बातें बताईं। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में शिल्पा ने लीगल लड़ाई और अपने इमोशनल ब्रेकडाउन पर खुलकर बातचीत की। बातचीत के दौरान शिल्पा ने बताया कि उनके सामने एक समय आया जब उन्हें यह महसूस होने लगा था कि वह काफी बुरी तरह से फंस चुकी हैं और उनके पास लड़ाई लड़ने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

कपूर परिवार के नाम हैं ये 7 दिलचस्प रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बॉलीवुड के 'कपूर खानदान' को इंडस्ट्री की 'फर्स्ट फैमिली' भी कहा जाता है। पृथ्वीराज कपूर से लेकर रणबीर कपूर तक इस परिवार का फिल्ममेकिंग और एक्टिंग से बहुत पुराना नाता रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वो कौन से 7 रिकॉर्ड हैं जो इस परिवार के नाम पर दर्ज हैं?

ऑनस्क्रीन जा चुका सबसे बड़ा परिवार : *साल 1999 तक ही इस एक परिवार के 24 से अधिक सदस्य फिल्मों में बतौर एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर काम कर चुके थे। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस परिवार के नाम फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बड़े ऑन-स्क्रीन परिवार होने का नाम दर्ज है।*

सिनेमा में 5 पीढ़ियों का सफर : *भारतीय सिनेमा जगत के इतिहास में कपूर परिवार इकलौता ऐसा परिवार है जिसकी 5 पीढ़ियां लगातार फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय रही हैं। शुरुआत दीवान बशेश्वरनाथ कपूर (पृथ्वीराज कपूर के पिता) से हुई थी और अब रणबीर कपूर व राहा कपूर तक पहुंच चुकी है।*

एक ही फिल्म में 3 पीढ़ियां : *साल 1971 में आई फिल्म 'कल आज और कल' में एक अनोखा रिकॉर्ड बना। इस फिल्म में कपूर परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ नजर आई थीं। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर (दादा), राज कपूर (पिता), और रणधीर कपूर (बेटे) एक साथ नजर आए थे।*

सबसे यंग डायरेक्टर का रिकॉर्ड : *शोमैन राज कपूर ने महज 24 साल की उम्र में फिल्म 'आग' (1948) का निर्देशन किया था। यह अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड था। उस दौर में सबसे कम उम्र के फिल्म निर्देशक बनने का रिकॉर्ड राज कपूर ने अपने नाम किया।*

सुपरस्टार बनीं पहली सगी बहनें : *कपूर खानदान की बेटियों ने भी फिल्म इंडस्ट्री में कम नाम नहीं कमाया। करिश्मा कपूर और करीना कपूर भारतीय सिनेमा के इतिहास की पहली ऐसी सगी बहनें बनीं, जिन्होंने पुरानी रिवायतों को तोड़ा और इंडस्ट्री पर राज किया। नंबर वन एक्ट्रेस बनीं।*

एक परिवार में 3 दादा साहेब फाल्के पुरस्कार: *सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' को एक ही परिवार में 3 बार जीतने का रिकॉर्ड भी कपूर खानदान के नाम है। यह सम्मान पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया गया।*

शम्मी कपूर के नाम पर ऐसा भी एक रिकॉर्ड

शम्मी कपूर के नाम पर सिनेमा से अलग एक अनोखा रिकॉर्ड है। उन्होंने 1990 के दशक में 'इंटरनेट यूजर्स क्लब ऑफ इंडिया' की स्थापना की थी। वह भारत के पहले कुछ लोगों में से थे जिनके पास अपना पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन था।

आदर्श ने हॉलीवुड सीरीज एलियन- अर्थ 2 को लेकर जताई खुशी

नई दिल्ली। अभिनेता आदर्श गौरव ने रिडले स्कॉट की फिल्म 'एलियन अर्थ' में स्लाइटली के किरदार के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। अब अभिनेता इस साइंस फिक्शन शो के आगामी दूसरे सीजन में भी वही भूमिका निभाएंगे और जल्द ही शूटिंग के लिए रवाना होने वाले हैं। दूसरे सीजन में पीटर डिंकलेज के शामिल होने से इसको लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। आदर्श ने एमी पुरस्कार विजेता इस अभिनेता की जमकर तारीफ की है। नोआ हॉली द्वारा निर्मित और दिग्गज फिल्म निर्माता रिडले स्कॉट द्वारा कार्यकारी निर्मित 'एलियनः अर्थ' स्कॉट की प्रतिष्ठित एलियन फिल्मों का स्पिन-ऑफ है। पहले सीजन में आदर्श ने स्लाइटली उर्फ आरुष की भूमिका निभाई, जो मनुष्य और मशीन का एक हाइब्रिड है। आदर्श गौरव ने कहा कि 'एलियनः अर्थ' के सीजन 2 में वापसी करना बेहद खास लगता है। स्लाइटली एक ऐसा किरदार है जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे मन में बसा रहा, क्योंकि उसकी इमोशनली जटिलता और ट्विस्ट ने मुझे दीवाना बना दिया। नोआ हॉली और रिडले स्कॉट द्वारा निर्मित दुनिया में उसे और गहराई से जानने का अवसर मिलना एक अभिनेता के रूप में रोमांचक और बेहद संतोषजनक है। एलियनः अर्थ में सिडनी चैंडलर, एलेक्स लॉथर, एस्सी डेविस, सैमुअल ब्लेंकिन और बाबौ सीसे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि टिमोथी ओलिवेंट एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आते हैं। सीजन 2 में गेम ऑफ थ्रोन्स के मशहूर अभिनेता पीटर डिंकलेज की एंट्री होती है, जिससे एलियन यूनिवर्स का विस्तार होता है। आदर्श ने आगे कहा कि इस अनुभव को वास्तव में उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि मुझे एक टेलेंटेड एक्टर्स के साथ इस लोकप्रिय यूनिवर्स का हिस्सा बनने का मौका मिला। पीटर डिंकलेज, टिमोथी ओलिवेंट और पूरी टीम जैसे कलाकारों के साथ काम करना आपको हर दिन क्रिएटिव रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

अपने नाम किए तीन पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का सम्मान भी मिला

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में मणिपुरी फिल्म बूंग की धूम

फिल्म को कौन से अवॉर्ड मिले?

फेस्टिवल में बूंग ने तीन पुरस्कार अपने नाम किए। पहला सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म का पुरस्कार। दूसरा लक्ष्मीप्रिया देवी को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार और तीसरा गुगुन किपगेन को सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार पुरस्कार दिया गया। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 28 से 31 मई तक चला, जिसमें 15 भाषाओं की अलग-अलग तरह की फिल्में दिखाई गईं।

क्या है बूंगकी कहानी?

बूंग की कहानी बहुत प्यारी और दिल को छू लेने वाली है। यह फिल्म मणिपुर की घाटी में रहने वाले बच्चे बूंग (गुगुन किपगेन) पर आधारित है। बूंग वर्षों से अकेली रह रही अपनी मां को खुश करने के लिए खास तोहफा देने की योजना बनाता है। वह, तोहफा है अपने पिता को वापस लाना। वह पिता की तलाश में निकल जाता है। इस सफर में उसका दोस्त साथ देता है। मां की खुशियों के लिए पिता को खोजने निकले बूंग की यह कहानी बेहद मार्मिक है। बूंग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

लॉस एंजिल्स। मणिपुरी फिल्म बूंग ने पहले बाफ्टा अवॉर्ड में अपना जलवा दिखाया था। अब इस फिल्म ने न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। महोत्सव में फिल्म ने तीन अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में भारतीय फिल्म बूंग ने इतिहास रच दिया है। रविवार को खत्म हुए इस महोत्सव में फिल्म ने तीन अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार को सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का सम्मान मिला है। महोत्सव में दस अलग-अलग कैटेगरी में भारतीय सिनेमा के बेहतरीन कलाकारों और फिल्मों को सम्मानित किया गया।

फिल्म में नजर आए ये कलाकार : फिल्म बूंग में गुगुन किपगेन के अलावा बाला हिजाम, नेमेतिया नगंगबाम, जेनी खुरई, हामोम सदानंद,एंगम सनामतम, विक्रम कोचर, थौदम ब्रजबिधु और मोधुबाला थौदम जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए। फिल्म के बाल कलाकारों का अभिनय बहुत ही सहज है। कई सीन्स दर्शकों को भावुक कर जाते हैं, आंखों को नम कर देते हैं।

फरहान ने प्रोड्यूस की है बूंग

इस फिल्म को निर्माता-निर्देशक और एक्टर फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर साल 2024 के टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। वहां इसे दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। भारतीय सिनेमाघरों में यह फिल्म सितंबर 2025 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मीप्रिया देवी ने किया है।

बाफ्टा में मिला था अवॉर्ड

इससे पहले मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने बाफ्टा अवॉर्ड्स 2026 में भी जलवा दिखाया था। वहां फिल्म ने बेस्ट चिल्ड्रन एंड फैमिली कैटेगरी में पुरस्कार जीता था। 'बूंग' बाफ्टा में नामांकित होने वाली अकेली भारतीय फिल्म थी। इसने जूटोपिया 2, लिलो एंड स्टिच और आर्को जैसी बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को हराकर यह अवॉर्ड जीता। इससे पहले फिल्म का पहला प्रीमियर 2024 में टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इसे वारसॉ, एमएएमआई मुंबई, आईएउएफआई और मेलबर्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे कई बड़े फेस्टिवल में दिखाया गया।

कचरे के ढेरों ने हकीकत के दावों की खोली पोल

स्वच्छता सर्वेक्षण या दिखावे की तैयारी...?

जबलपुर। नगर निगम इन दिनों स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहा है। शहरभर में नए डस्टबिन लगाए जा रहे हैं, जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। करमचंद चौक और तुलाराम चौक जैसे क्षेत्रों की स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि क्या स्वच्छता सर्वेक्षण वास्तव में शहर को स्वच्छ बनाने का अभियान है या फिर केवल सर्वेक्षण टीम को प्रभावित करने की कवायद?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि करमचंद चौक क्षेत्र में कई दिनों तक कचरा संग्रहण वाहन नहीं पहुंचा। परिणामस्वरूप लोगों को मजबूरी में कचरा नालियों और खाली स्थानों पर फेंकना पड़ा। देखते ही देखते वहां गंदगी का ढेर लग गया और पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैलने लगी। यही स्थिति तुलाराम चौक क्षेत्र में भी देखने को मिली, जहां सड़क किनारे जमा कचरे में गायें भोजन तलाशती नजर आईं। यह दृश्य न केवल स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि नगर निगम की प्राथमिकताओं को भी उजागर करता है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि नियमित रूप से कचरा उठाने की व्यवस्था ही सुनिश्चित नहीं है तो केवल डस्टबिन लगाकर कौन-सा स्वच्छ शहर बनाया जा रहा है? क्या स्वच्छता

का अर्थ केवल सड़क किनारे रंग-बिरंगे डस्टबिन रख देना है, या फिर समय पर कचरा संग्रहण और उसके वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक है?

शहरवासियों का कहना है कि नगर निगम उन स्थानों पर भी डस्टबिन लगा रहा है जहां उनकी वास्तविक आवश्यकता नहीं है, जबकि जिन क्षेत्रों को "गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट" माना जाता है, वहां नियमित सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था कमजोर बनी हुई है। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान अंक बटोरने के लिए प्रतीकात्मक व्यवस्थाओं पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जबकि मूल समस्याएं जस की तस हैं।

यह पहली बार नहीं है जब स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर ऐसे सवाल उठे हों। हर वर्ष सर्वेक्षण के दौरान शहर को चमकाने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। दीवारों पर रंग-रोगन, प्रमुख मार्गों की विशेष सफाई और अस्थायी व्यवस्थाएं दिखाई देती हैं। लेकिन सर्वेक्षण समाप्त होते ही कई स्थानों पर हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। ऐसे में नागरिकों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है या केवल सर्वेक्षण तक सीमित कार्यक्रम?

नगर निगम के लिए यह आत्ममंथन का विषय है कि आखिर स्वच्छता की वास्तविक कसौटी क्या है। यदि कचरा वाहन समय पर नहीं पहुंचे, नालियां कचरे से पट जाएं और सड़कों पर पशु कचरा खाते नजर आएं, तो फिर स्वच्छता के दावों की विश्वसनीयता स्वतः संदेह के घेरे में आ जाती है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना। शहर को अंक नहीं, व्यवस्था चाहिए। डस्टबिनों के साथ-साथ नियमित कचरा संग्रहण, जवाबदेही और जमीनी निगरानी सुनिश्चित किए बिना स्वच्छता के दावे केवल कागजी उपलब्धियां बनकर रह जाएंगे।

करमचंद चौक और तुलाराम चौक की तस्वीरें फिलहाल यही सवाल पूछ रही हैं। क्या नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण जीतना चाहता है, या वास्तव में शहर को स्वच्छ बनाना चाहता है? यही सवाल विपक्षी दल कांग्रेस और जबलपुर की जनता भी पूछ रही है।

राजा शंकर शाह–कुंवर रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल का जोनल अधिकारी ने किया निरीक्षण

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ, जबलपुर के संभागीय अध्यक्ष किशोरी लाल भलावी द्वारा महापौर श्री जगत बहादुर अन्नू एवं नगर निगम कमिश्नर को दिए गए ज्ञापन के परिपालन में राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल (गोंडवाना चौक) पर देव स्थल एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु जोन क्रमांक 11 के संभागीय अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्थल पर शेड एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि कमिश्नर नगर निगम के निर्देशानुसार कार्य समयबद्ध रूप से किए जाएंगे। बताया गया कि उक्त कार्य हेतु नगर निगम द्वारा लगभग 25 लाख रुपये की स्वीकृति भी दी गई है। इस अवसर पर राजेन्द्र चौधरी, अजय झारिया, जगदीश नन्हेट, आकाश चौधरी, पंडा बाल सिंह मरावी एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीत अहिरवार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यालय व संभागीय कार्यालयों में हुई जनसुनवाई, 60 आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय एवं 16 संभागों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर तुरंत कार्रवाई कर आवेदकों को राहत प्रदान की गई। प्रभारि आयुक्त अरविन्द शाह के निर्देशानुसार अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव और सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने मुख्यालय और संभागीय अधिकारियों के साथ आवेदकों की सुनवाई की। अपर आयुक्त श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यालय में प्राप्त 40 आवेदनों में 5 अतिक्रमण विभाग, 11 भवन शाखा, 6 स्वास्थ्य, 6 जल, 1 आवास योजना, 1 बाजार, 1 उद्यान, 1 सीवर सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें थीं। अधिकांश शिकायतों को संबंधित विभागों में प्रेषित किया गया और कुछ का राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौके पर त्वरित समाधान किया गया। सभी विभागीय प्रमुख जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने दिया संरक्षण का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित किया ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के उपलक्ष्य में यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल अधारताल एवं गोहलपुर, जबलपुर तथा भारत स्काउट एंड गाइड, जिला जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सप्ताहभर चल रहे पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने प्रोजेक्ट्स एवं गतिविधियों की जानकारी साझा की।

ऑनलाइन ज़ूम मीटिंग में विद्यार्थियों ने कविता, कहानी और चित्रकला के माध्यम से बदलते पर्यावरण के प्रति अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभाव एवं उसके उपयोग को कम करने संबंधी प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। राष्ट्रीय पर्यावरणविद् एवं नर्मदा समग्र के प्रदेश सदस्य विनोद शर्मा ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को जल स्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। वहीं भारत स्काउट एंड गाइड,

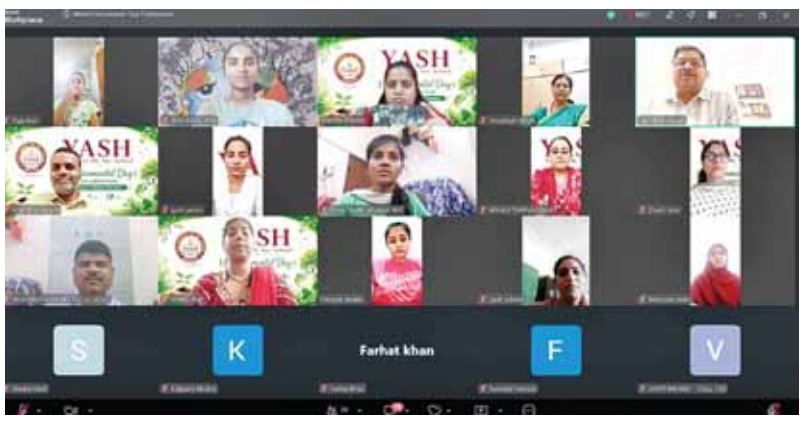

भोपाल मुख्यालय से एस.ओ.सी. गाइड अनुभूति सिंह ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में ए.एस.ओ.सी. ललित मिश्रा, जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी, प्राचार्य श्रीमती सोनल तिवारी, श्रीमती वर्षा झारिया तथा कटनी से प्रोजेक्ट CLAP कॉर्डिनेटर रिया कनोजिया सहित विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन राहुल राजपूत, अतुल श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी एवं दीपाली शुक्ला ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती श्रेया तिवारी ने किया। अंत में सभी ने "पर्यावरण की रक्षा, भविष्य की सुरक्षा" का संकल्प लेकर कार्यक्रम का समापन किया।

अथर्व के 80 रन, दत्तात्रेय के 6 विकेट से मध्य प्रदेश क्वार्टर फाइनल में

जबलपुर। भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित 4वीं सब जूनियर एवं युवा 50-बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप-2026 में मध्य प्रदेश क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। टीम की सफलता में बल्लेबाज अथर्व पटेल ने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि दत्तात्रेय महोबिया ने 6 विकेट और निकुंज ने 5 विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी का दम दिखाया। टीम की कोच रविना पटेल और सह-कोच अतुल पटेल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में चैंपियन बनने का लक्ष्य जताया। टीम मैनेजर हर्ष कुमार ने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास और तकनीकी सुधार पर ध्यान देने की सलाह दी। वहीं मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव युग राजपूत ने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ एवं टीम प्रबंधन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

जगदीश मंदिर में भागवत कथा में दिखा वृंदावन धाम का नजारा

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य यजमान उमाशंकर साहू, यशोदा साहू, सावित्री रैकवार, अभिषेक सोनी एवं सुनील साहू ने व्यासपीठ का पूजन-अर्चन किया। श्रीधाम वृंदावन से पधारी बाल व्यास दीदी सुश्री सुप्रिया जी ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं तथा अधर्म बढ़ने पर अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। कथा के दौरान भजनों एवं हलरावा गीतों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से

पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय एवं श्रीमती कीर्ति पाण्डेय ने कथा स्थल पहुंचकर व्यासपीठ का पूजन किया तथा दीदी सुप्रिया जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा एवं विकास त्रिपाठी ने बताया कि कथा प्रतिदिन सायं 5 से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में पं. शिवगणेश गौतम, दीपांशु शुक्ला, देवेंद्र त्रिपाठी, नारायण शर्मा, पं. यदुवंश मिश्रा, देवसिंह उइके सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

ऊर्जा क्षेत्र में मध्य प्रदेश को बड़ी उपलब्धि 99.52 प्रतिशत ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी हासिल

जबलपुर। मध्य प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 99.52 प्रतिशत ट्रांसमिशन सिस्टम अवेलेबिलिटी हासिल की है, जो मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के 98 प्रतिशत लक्ष्य से अधिक है।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने पिछले वर्ष के 99.47 प्रतिशत प्रदर्शन में सुधार करते हुए यह उपलब्धि प्राप्त की है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में ट्रांसमिशन लॉस 2.60 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो नियामक आयोग के 2.74 प्रतिशत लक्ष्य से बेहतर है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी और लॉस किसी भी विद्युत प्रणाली के प्रमुख प्रदर्शन मानक हैं, और इन मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन से मध्य प्रदेश देश की अग्रणी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में शामिल है। ऊर्जा मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए सभी विद्युत कंपनियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

1640 अग्निवीरों ने भारतीय सेना में रखा कदम

मध्य भारत एरिया में भव्य अटेस्टेशन समारोह

जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वावधान में आयोजित दो महत्वपूर्ण सैन्य समारोहों में कुल 1,640 अग्निवीरों ने भारतीय सेना में विधिवत प्रवेश किया। इस अवसर पर द ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर के 872 तथा जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के 768 अग्निवीरों के सातवें बैच का अटेस्टेशन किया गया। अग्निवीरों ने 24 सप्ताह के कठोर बुनियादी एवं उन्नत सैन्य प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर शारीरिक दक्षता, हथियार संचालन, फील्ड क्राफ्ट एवं सामरिक कौशल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। द ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर की परेड की समीक्षा मेजर जनरल राकेश मनोचा तथा जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर की परेड की समीक्षा ब्रिगेडियर उदय सम्याल ने की। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने नव-प्रशिक्षित सैनिकों को राष्ट्र एवं तिरंगे के प्रति समर्पण के साथ कर्तव्य निभाने तथा आधुनिक युद्ध कौशल अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में परिजन, सैन्य अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार श्रीमति एकता सिंह घोषी पत्नि श्री अभिनंदन सिंह ठाकुर द्वारा एक आवासीय संपत्ति जो मौजा- कछपुरा, न.ब.501, प.ह.नं. 25/31, रा.नि.म.- जबलपुर 1, तहसील- अधारताल और जिला जबलपुर में स्थित है। यह जमीन जेडीए स्कीम नं. 06 के अंतर्गत आती है, एलआईजी प्लाट/मकान नंबर ई-74 हैं प्लाट का कुल क्षेत्रफल 16×40=640 वर्गफुट है, ग्राउंड फ्लोर (जीएफ) का निर्मित क्षेत्रफल 640 वर्गफुट है, और फर्स्ट फ्लोर (एफएफ) का निर्मित क्षेत्रफल 640 वर्गफुट है। उक्त संपत्ति खरीदने के लिये भूस्वामी श्रीमति संजू तिवारी पत्नि श्री विवेक तिवारी से खरीदने का अनुबंध पत्र किया है उक्त संपत्ति को श्रीमति संजू तिवारी पत्नि श्री विवेक तिवारी ने पूर्व भूमिस्वामी श्री डालचंद साहू पिता स्वर्गीय श्री मूलचंद साहू से विक्रय पत्र के माध्यम से विक्रय पत्र दिनांक 24.11.2012 दस्तावेज क्रमांक-2708 के माध्यम से क्रय किया है इसके पश्चात् लीज डीड दिनांक 20.03.2026, दस्तावेज क्रमांक एमपी 50आईजीआर 17582026 ए 100328608 द्वारा 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण करवा लिए है तथा श्री डालचंद साहू पिता स्वर्गीय श्री मूलचंद साहू ने श्री मुरलीधर विश्वकर्मा पिता श्री शंकरलाल विश्वकर्मा मुख्त्यार आम द्वारा श्री राजेशद्र कुमार झा पिता श्री ओमप्रकाश झा से पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 23.10.1991, दस्तावेज क्रमांक- 5146 के माध्यम से क्रय किया हैं। यह कि उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के पक्ष में शीघ्र ही निष्पादित किया जाना प्रस्तावित है। यह कि श्रीमति एकता सिंह घोषी पत्नि श्री अभिनंदन सिंह ठाकुर, मेरे पक्षकार **रेपको होम फाइनेंस जबलपुर** से आवास ऋण प्राप्त करना चाहता है, जिसकी सुरक्षा हेतु श्रीमति एकता सिंह घोषी पत्नि श्री अभिनंदन सिंह ठाकुर द्वारा उक्त संपत्ति बैंक में बंधक की जा रही है। चूँकि उक्त संपत्ति पर साम्यिक बंधक करने हेतु विक्रय पत्र दिनांक 23.10.1991, दस्तावेज क्रमांक- 5146 की मूल प्रति की आवश्यकता है, जो कि वर्तमान भूमि स्वामियों से गुम हो गई है। जिसके संबंध में श्रीमति संजू तिवारी पत्नि श्री विवेक तिवारी द्वारा पुलिस थाना में प्राथमिक सूचना दर्ज कराई गई है, अतः उक्त संपत्ति या संपत्ति के बंधक के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो अथवा किसी प्रकार का कोई विवाद हो तो वह प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के अंदर मेरे पक्षकार **रेपको होम फाइनेंस जबलपुर** को अथवा मेरे कार्यालय में लिखित रूप में मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, समय उपरांत किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। जबलपुर दिनांक 03.06.2026 भवदीय-

राजेश प्यासी एड.
319, गली नं., 05, त्रिमूर्ति नगर दमोहनाका
जबलपुर- मो.- 9424320068

गैलेक्सी हॉस्पिटल में 'ट्रिपल बायपास सर्जरी' से बची दमोह की महिला की जान

जबलपुर। उखरी चौक स्थित गैलेक्सी मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने 42 वर्षीय श्रीमती अनीता गौंड (दमोह) की गंभीर हृदय समस्या का सफलता पूर्वक उपचार किया। मरीज की जांच में हार्ट की तीन प्रमुख धमनियों में गंभीर अवरोध पाया गया और उनकी पंपिंग क्षमता (एलवीईएफ) 35–40% थी, जो खतरे के निशान पर बताई गई। विशेषज्ञ टीम ने ओपन हार्ट सर्जरी के तहत ऑफ-पंप ट्रिपल बायपास सर्जरी ×3 पूरी की। इसमें लीमा धमनी से एलएडी, रेडियल आर्टरी से ओएम शाखा और एसवीजी से पीडीए का बायपास किया गया। ऑपरेशन सफल रहा और मरीज वर्तमान में चिकित्सकीय देखरेख में स्वस्थ है। हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. सांगवान और उनकी टीम ने इस जटिल सर्जरी को आधुनिक तकनीक व अनुभव के साथ पूर्ण कर रोगी की जान बचाई।

जिला अध्यक्ष पं. अभितेज कृष्ण त्रिपाठी नगर निगम आयुक्त द्वारा सम्मानित

जबलपुर। म.प्र. आईटीआई तकनीकी कर्मचारी संघ, जिला जबलपुर के अध्यक्ष पं. अभितेज कृष्ण त्रिपाठी को जनगणना कार्य समय से पूर्व एवं उत्कृष्ट रूप से पूर्ण करने पर नगर निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार द्वारा आयुक्त कार्यालय में सम्मानित किया गया। पं. त्रिपाठी, देबू आईटीआई बरगी के संस्थापक संस्था प्रमुख हैं तथा वे पत्रकार, साहित्यकार एवं समाजसेवी भी हैं। वे स्मृतिशेष पं. अभिज्ञान कृष्ण ज्योति त्रिपाठी के सुपुत्र, ख्यातिलब्ध शिक्षाविद पं. हरिकृष्ण माया त्रिपाठी के सुपौत्र तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. बालमुकुंद सुभद्रा त्रिपाठी के प्रपौत्र हैं। इस उपलब्धि पर डॉ. मुकुल तिवारी, पंकज शर्मा, नरेश शुक्ला सहित अनेक शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी शीघ्र जारी करने की मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश सहारिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी शीघ्र जारी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 1 जून से 15 जून तक शासकीय लोक सेवकों से स्थानांतरण आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, लेकिन शिक्षा विभाग की स्पष्ट ट्रांसफर नीति जारी न होने के कारण शिक्षक असमंजस की स्थिति में हैं कि वे किस आधार पर आवेदन करें।संगठन ने कहा कि मात्र 15 दिनों की अवधि में बिना स्पष्ट नीति के आवेदन प्रक्रिया व्यावहारिक रूप से कठिन है। इसलिए आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय से मांग की गई है कि स्थानांतरण प्रक्रिया से संबंधित संपूर्ण नीति शीघ्र जारी की जाए, जिससे शिक्षक उचित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकें। इस मांग का समर्थन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, रऊफ खान, दिनेश गोंड, फिलिप एंथोनी, राजकुमार यादव, गुडविन चार्ल्स, दीपेश जैन, सुरेंद्र चौधरी, गोपीशाह, विनोद सिंह, संतोष चौरसिया, वसुमुदीन, मक़सूद कादरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया।

स्व. कैलाश सारंग जी की जयंती पर 'मातृ-पितृ भक्ति दिवस', वृद्धजनों का हुआ सम्मान

जबलपुर। भाजपा के संस्थापक सदस्य, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय कैलाश सारंग जी की जयंती के अवसर पर अ.भा.का.म. के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष के.के. श्रीवास्तव के आवाहन पर निराश्रित वृद्ध आश्रय गृह, शास्त्री नगर में 'मातृ-पितृ भक्ति दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष प्रणीत वर्मा के नेतृत्व में हुआ, जिसमें वृद्धजनों के सम्मान एवं सेवा के विविध आयोजन किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण के पाठ के साथ हुई, जिसके बाद भजन-कीर्तन एवं सत्संग आयोजित किया गया। इस अवसर पर वृद्धजनों का चरण पखारकर सम्मान किया गया तथा उन्हें चरण पादुकाएँ भेंट की गईं। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं आश्रम परिसर में छाया हेतु शेड नेट का वितरण भी किया गया। अंत में सभी वृद्धजनों को भोजन एवं अल्पाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि माता-पिता एवं वरिष्ठजनों का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है तथा स्व. कैलाश सारंग जी का जीवन समाज सेवा एवं संस्कारों के संरक्षण के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर अनेक समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।